

29-4-21 पत्रावली पेश हुई।  
पक्षकारान उप. P.O. साहब  
दौरे/अवकाश पर पधारे है।  
अतः पत्रावली पूर्व आदेशानुसार  
दिनांक...२२-७-२१...को पेश हो


22-7-21 पत्रावली पेश हुई। वकील  
पक्षकारान उप. P.O. साहब  
दौरे/अवकाश पर पधारे है।  
अतः पत्रावली पूर्व आदेशानुसार  
दिनांक...५-८-२१...को पेश हो

वकील प्राप्त

5-8-21 पत्रावली पेश हुई। वकील  
प्रतिवादी उपस्थित। प्रॉपत्र (0.7R.11) (1)  
का जवाब पेश नहीं किया गया। पत्रावली की किश्त  
वास्तु बहस प्रॉपत्र (0.7R.11) (1) हेतु दिनांक  
12-8-21 को पेश हो

  
उपखण्ड अधिकारी  
रूपनगढ़ (अजमेर)

12-8-21 पत्रावली पेश हुई। वकील  
जवाब प्रॉपत्र (0.7R.11) (1) पेश किया, जिसकी  
प्रति वकील प्रतिवादी को दिलवाई गयी। पत्रावली  
वास्तु बहस प्रॉपत्र (0.7R.11) (1) हेतु दिनांक  
23-9-21 को पेश हो

  
उपखण्ड अधिकारी  
रूपनगढ़ (अजमेर)

23.9.21 पत्रावली पेश। उपखण्ड अधिकारी  
द्वारा पत्रावली पेश की गई। प्रॉपत्र (0.7R.11) (1) के पक्ष में  
वकील प्रतिवादी को दिलवाई गयी। पत्रावली  
दिनांक 08-09-21 को पेश किया गया। पत्रावली  
की किश्त वास्तु बहस प्रॉपत्र (0.7R.11) (1) हेतु दिनांक  
23-09-21 को पेश हो

ज. अदालत उपखण्ड अधिकारी  
किसम मुकदमा :- 190  
तारीख :- 23/9/21

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी

मुकाम-रूपनगढ़ जिला अजमेर

श्री. विजय

बनाम

मुकेश मोहन

किस्म मुकदमा :- 188 B-T Act

नंबर 38 वर्ष 2020

तारीख समय	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>मुकेश मोहन की वकील की पत्र कुमाव जी ने बताया कि मैंने एडवोकेट एलियट के पत्राचार बनाया है जिसमें मैंने से एडवोकेट मौजी है। पत्राचार एलियट से की बनाया है, इन्हें वकील Cause of action हुआ है वकील की प्रमाण प्रमाण है। इन्हें एडवोकेट को इवलेट किता, एडवोकेट के न. प. प्रमाणित, वकील पत्राचार को म कि किता/पत्राचार के हैं इन्हें 7(11) ऑफिशियल रूप से किता की जाती है एवं एडवोकेट के 11/1 के एडवोकेट को पत्राचार किता बनाया है कि पत्राचार एडवोकेट के एक पत्राचार के एडवोकेट की को एडवोकेट के एडवोकेट इवलेट को इवलेट के एडवोकेट किता किता इवलेट की है, दोनों पत्राचार बनाया (के) एडवोकेट के</p>	

वीरगि खसरा नं. 1197/1 के लिये  
वाइब्राक प्रसौली कारेदारों का एक  
कारेदार इतिहासीकरण इत्यादि कारेदार  
कारेदारों के अधिकारों में दखलअंदाजी  
काया नहीं की। एवं दोनों प्रथम रिक्त कारे  
को लेकर लक्ष्मी - लक्ष्मी, इत्यादि, कि नहीं का  
वीरगि कासरा है। प्रसौली के लिये  
शुभत एक कर्म के रूप में है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
रूपनगढ़ (अजमेर)